इस दुनियाँ में सर्वेस सौभाग्यशाली तुम बच्चे हो जिनको कि विश्व की बादशाही मिलती है। परन्तु कोटो में कोऊ ही जानते हैं। कृष्ण होता तो सब झट जान लेते। कोई भी पहचान सके। कृष्ण तो नामी ग्रामी है ना अब यह खुद कहते हैं मुझे कोटो में कोऊ जानते हैं। मैं साधारण तन में आता हूँ इसलिये मूँझ जाते हैं। कहते भी हैं कि बादशाही मिलती है। फिर भी वो नशा ही चढ़ता है। तदबीर कराने वाले बाप तो राजयोग सिखा रहे हैं। तकदीर में नाँ है तो बाप भी क्या कर सकते हैं। कहते भी है मैं जो हूँ जैसा हूँ... कृष्ण को तो ऐसा कहने का रहता नही। यह है गुप्त। अल्लाह अवलदीन चमड़ा पोश में है। खुदा आप ही चमड़े के पोश में नही आते हैं। यह चमड़ी है नाँ। तुम सब आत्मायें चमड़ी में आते हो। तो ऊँच ते ऊँच बाप है उनसे पढ़ कर ऊँच पद पाना है। ऊँच पद पाने वाले सर्विस का शौ करते है। रात दिन सर्विस दूसरों को रास्ता बताना है। बाप आया हुआ है सो दूसरों को भी रास्ता बताना। बाप कहते है यह अन्तिम जन्म है। अब बच्चों तुम योग में रहो तो विकर्म विनाश होंगे। औरों को भी बताते रहो। जालन्धर वाली सतगुरु दयाल को भी शौक है सर्विस का। ऐरोपलेन से पत्रे गिराये है। अगर समझो ऐरोपलेन से गिराने का खर्चा भी लेते है तो हजार रूपया देहली, हजार कलकत्ता, हजार रूपये बाम्बे में। बाबा देने लिये तैयार है। पत्रे भी बहुत छपवाने पड़ेंगे। सारे बाम्बे में कितने पत्रे गिराने पड़ेंगे। बाबा इतना खर्चा देने लिये तैयार है। मद्रास में भी हो सकता है। जो जो कोई पुरुषार्थ कर सकते हैं ताँ कोशिश करनी चाहिये। पर्चे भी ऐसे छपवाने पड़ेंगे। अखबार का एक पेज होता है इतना बड़ा हो। और फिर सभी भाषाओं में छपवाना पड़े। भल 10 हजार 20 हजार खर्चा हो जावे बाबा करने लिये तैयार है। बाम्बे देहली कलकत्ता। कोई बड़ा आदमी है हाथ में हो तो उनका सब पर चलता है। सबको मालूम पड़ जावे कि यह क्या बताते है। यह हेविहंग मुगिकी सर्विस। एक ही समय पर सब जगह पर हो जावेगा। अखबार में पड़ जावे जो जो पुआइन्टस हैं गीता के भगवान की, गंगा पतित पावनी नही है... ऐसी-2 जो मुख्य पुआइन्टस है वो सब डालनी चाहिये। बाबा कहते हैं यह तैयार रखो। जब मान लेवे तो करना चाहिये। सीढ़ी का भी भल चित्र आ जावे। बाबा को खर्चा करने में कोई हर्जा नही है। प्रदर्शनी 8,7 हजार रूप्या खर्चा रखा जाता है यहाँ भी इतना खर्चा होगा तो कोई हर्जा नही है। यह ढँढेरा पिट जावे तो तुम्हारा नाम कितना बाला हो जावेगा। तुम अपनी बादशाही स्थापन कर रहे हो नाँ। जालंधर वालो ने कमाल की है। उनको देख कर औरों को भी सीखना है। यह ऐडवरटाइजमेन्ट भी अच्छी है। जो करेंगे वो कितना पुण्य का काम करेंगे। कितनो की आशीर्वाद मिलेगी। सतगुरुदयाल को कितनो की आशीर्वाद मिलेगी। पैसे भी सफल होंगे। बुधी अच्छी है नाम भी अच्छा रखा हुआ है। यह भी सर्विस की युक्ति है। प्रदर्शनी प्रोजेक्टर यह सब युक्तियाँ है। पहले-2 गीता का भगवान कौन? इस पर समझानी देनी है। भगवान सबका बाप है। कृष्ण बाप हो नही सकता। वसी बाप से मिलता है। ज्ञान सागर पतित पावन स्वर्ग का रचता भी वो ही है। भगवान कहते है मुझे याद करो और 84 के चक्र को याद करो तो भी बेड़ा पार हो जावेगा। तुम बच्चे खिवैया बन कर कितनो की नैय्या पार करते हो। यह कथा अच्छा याँ वो कथा अच्छा। तुम अनगिणत धनवान बनते हो। गिनती की बात नही। जिसकी तकदीर अच्छी है तो बुधी भी काम करती है। तुम पढ़ कर 21 जन्म लिये कमाई करते हो। तुम पढ़ कर 21 जन्म लिये कमाई करते हो। वहाँ कितने धनवान होते है। आहाः तुम कितने लक्की स्टारस हो। बाबा जिनको बुलाते थे ओ गाड फादर आकर लिबरेट करो। गाइड बन कर ले चलो। अब बाप तुम बच्चों को विश्व का मालिक बनाने के लिये वरदान देते है। यह पढ़ाई अच्छी है नाँ। कोई विरला ही यह व्यापार करे। एक्सचेंज है नाँ। शिव बाबा कुछ लेते नही है। मैं क्या करूँगा। बच्चों के ही काम में लगता है। श्वास पर भरोसा नही है। मौत तैयार खड़ी है। तो अपनी कमाई कर लेनी चाहिये नाँ बच्चों को मात-पिता बाप वा दादा का याद-प्यार और गुड नाइट

6-4-67
Probably